



# बिहार गजट

## असाधारण अंक

# बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

13 आषाढ़ 1935 (श०)

(सं० पटना 515) पटना, वृहस्पतिवार, 4 जुलाई 2013

जल संसाधन विभाग

### अधिसूचना

5 जून 2013

सं० 22/नि०सि०(गया०)-२४-०३/२०१२/६३६—श्री वंशीधर मिश्र, कार्यपालक अभियन्ता, जल पथ प्रमण्ड, जहानाबाद से विभागीय पत्रांक 700 दिनांक 29.6.12 द्वारा निम्नांकित प्रथम द्रष्टव्या प्रमाणित आरोपों के लिए स्पष्टीकरण की मांग की गई—

1. जल पथ प्रमण्डल, जहानाबाद अन्तर्गत मखदुमपुर प्रखण्ड के ग्राम सुंगौव में कराए गए कटाव निरोधक कार्य में कार्य आरंभ करने की तिथि 14.2.11 थी, किन्तु उड़नदस्ता जांच दल को दिनांक 11.3.11 से विलम्ब से कार्य आरम्भ करने का प्रमाण मिला।

2. उक्त कार्य में ब्रीक क्रेट में ईट प्रावधानीत सं०-११५२ के विरुद्ध मात्र 1024 ईट ही पाए गए एवं शेष टूटे हुए ईट पाए गए। विशिष्टि के अनुरूप ब्रीक क्रेट का कार्य नहीं कराया गया।

3. निर्गत कार्यादेश के अनुसार कार्य समाप्ति की तिथि 31.5.11 थी लेकिन 31.5.11 के पश्चात कराए गए कार्य की रिकार्ड इन्ट्री 30.6.11 तक की गई अर्थात् कार्य की समाप्ति की अवधि पूर्ण हो जाने के पश्चात भी कार्य अपूर्ण रहा।

श्री मिश्र द्वारा समर्पित स्पष्टीकरण में कहा गया कि संवेदक के साथ दिनांक 14.2.11 को एकरानामा हस्ताक्षरित किया गया एवं कार्यादेश दिया गया। दिनांक 11.3.11 से कार्य स्थल पर कार्य कटिंग (Earth Cutting) प्रारम्भ हुआ। इस बीच की अवधि में निर्माण कार्य के पूर्व प्रारंभिक एवं आवश्यक तैयारी यथा निर्माण सामग्रियों का संकलन, कार्यस्थल से अवांछित वस्तुओं को हटाने एवं कार्य स्थल की सफाई जंगल किलयरेंस एवं प्रोफाईल मारकिंग इत्यादि कार्य कराया गया। साथ ही नाईलन क्रेट बी० ऐ० वायर ईट एवं खाली सिमेन्ट बैग का संकलन इत्यादि कार्य भी किया गया। उक्त कटाव निरोधक कार्य जमुने नदी के बाए तट पर कराया गया था। यह बरसाती नदी है जिसमें बरसात के समय ज्यादा करेन्ट रहता है। ब्रीक क्रेटिंग लगाने के बाद नदी में तीन तीन बार बाढ़ का पानी आया था एवं सभी लेयर बहुत बहुत दिनों तक ढूबे रहे थे। बाढ़ के बाद गांव की जनता एवं मवेशी ब्रीक क्रेट को आने जाने एवं नदी में उतरने का काम में उपयोग करते रहे हैं। निर्माण प्रक्रिया के क्रम में भी लेईग करने में कुछ ईट टूटने की संभावना रहती है। प्राक्कलन में 'बी' श्रेणी की ईट का प्रावधान था। उड़नदस्ता द्वारा जांच बाढ़ के मौसम के बाद किया गया था। इस प्रकार बाढ़ आने ग्रामीण जनता एवं मवेशी द्वारा उपयोग करने के फलस्वरूप कुछ ईट टूटकर टुकड़े में हो सकते हैं। निर्माण के क्रम में अध्यक्ष विशेष जांच दल द्वारा पांच बार मुख्य अभियन्ता द्वारा एक बार एवं अधीक्षण अभियन्ता द्वारा दो बार स्थल निरीक्षण किया गया था परन्तु कार्य के संबंध में प्रतिकूल टिप्पणी अंकित नहीं की गई। कार्य में प्रयुक्त ईट की जांच शोध एवं प्रशिक्षण प्रमण्डल सं०-३ एवं 2 खगौल, पटना द्वारा की गई एवं गुणवत्ता के

संबंध में प्रतिकूल टिप्पणी अंकित नहीं किया गया है। कार्य समाप्ति की तिथि 31.5.11 निर्धारित थी परन्तु पंचायत चुनाव के कारण कार्य दिनांक 31.5.11 तक समाप्त नहीं हो सका। दिनांक 9.6.11 को मुख्य अभियन्ताओं की राज्य स्तरीय बैठक में कटाव निरोधक कार्यों की समीक्षा के क्रम में एक सप्ताह के अन्दर पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। कार्य दिनांक 15.6.11 तक पूर्ण हो गया तथा रिकार्ड इन्ट्री को दिनांक 15.6.11 को अधीक्षण अभियन्ता के निर्देश के अनुपालन में दो एकस्ट्रा लेयर में ब्रीक क्रेट का कार्य हुआ एवं यह कार्य भी दिनांक 30.6.11 को समाप्त हो गया जिसके रिकार्ड इन्ट्री को अधीक्षण अभियन्ता द्वारा दिनांक 30.6.11 को हस्ताक्षरित किया गया है। दिनांक 30.6.11 तक की समयवृद्धि की स्वीकृति मुख्य अभियन्ता के पत्रांक 1105 दिनांक 7.6.11 द्वारा दी गई है। इस प्रकार कार्य स समय पूर्ण किया गया है। जो कार्य हुआ वह उच्चाधिकारियों के निर्देश एवं जानकारी में हुआ।

श्री मिश्र से प्राप्त स्पष्टीकरण की समीक्षा के क्रम में पाया गया कि जल पथ प्रमण्डल, जहानाबाद के अधीन मखदुमपुर प्रखण्ड के सुगाँव ग्राम में कराए गए कटाव निरोधक कार्य को दिनांक 14.2.11 को प्रारम्भ किया जाना था परन्तु उक्त कार्य दिनांक 11.3.11 को प्रारम्भ किया गया कटाव निरोधक कार्य को प्रारम्भ किए जाने में करीब एक माह का विलम्ब कार्य में श्री मिश्र द्वारा शिथिलता बरतने एवं गैर जबावदेह होने का दोषीकृत है। विलम्ब से कार्य प्रारम्भ होने के कारण ही कार्य स समय पूरा नहीं हो सका तथा इसके लिए समयवृद्धि स्वीकृत करने की आवश्यकता हुई। मामले की समीक्षोपरान्त श्री वंशीधर मिश्र, कार्यपालक अभियन्ता, जल पथ प्रमण्डल, जहानाबाद के विरुद्ध कार्य में शिथिलता बरतने एवं गैर जबावदेह होने का आरोप प्रमाणित पाया गया है।

उक्त प्रमाणित आरोपों के लिए श्री वंशीधर मिश्र, कार्यपालक अभियन्ता, जल पथ प्रमण्डल, जहानाबाद को निम्न दण्ड देने का निर्णय लिया गया:-

1. एक वेतन प्रक्रम नीचे असंचयात्मक प्रभाव से

तदनुसार उक्त निर्णय के आलोक में श्री वंशीधर मिश्र, कार्यपालक अभियन्ता, जल पथ प्रमण्डल, जहानाबाद को “एक वेतन प्रक्रम नीचे असंचयात्मक प्रभाव से”, का दण्ड देते हुए यह दण्डादेश उन्हें ससूचित किया जाता है।

बिहार-राज्यपाल के आवेदन से,  
श्याम कुमार सिंह,  
सरकार के विशेष सचिव।

**अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,**

**बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।**

**बिहार गजट (असाधारण) 515-571+10-डी0टी0पी0।**

**Website: <http://egazette.bih.nic.in>**